## ब्रेयु केंबाय चुट मी र्डेबाय में न्दान्य मुनिय मिनिय में न्या मी क्या मी मिन्य मिन्य मी मिन्य मिन्य मी मिन्य मी मिन्य मी मिन्य मी मिन्य मिन्य मिन्य मिन्य मी मिन्य मि

भ्रापःमेशास्याप्यवटार्यस्य प्रस्ताप्य स्वाप्य स्वाप्य

स्यानेश्वर्याचाचाः त्र्याचाच्यः द्वाच्याच्याः स्वाच्याः स्वच्याः स्वच्याः स्वाच्याः स्वच्याः स्वच्य

पठरत्रेत्रा खे.मु.लुम् प्रचानम् स्वान्त्रा स्वान्त्रा

भ्राप्तानेश्वाप्तान्तः स्वाप्तान्तः स्वाप्तानः स्वाप्तानः स्वाप्तान्तः स्वापत्तः स्वापत्त

चठर तर्दे ना देट सट यर नश्चित न्या स्थित क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्थित है स्था निया है स्था निय है स्था निया है स्था निया है स्था निया है स्था निया है स्था निय

भ्रापानेश्याप्ताचारार्ये प्रमाश्री हैरामी करा केश प्रचुटा दे माहिशा ग्री केश पी केश पी

द्यात्र मेश्वर्यात्र स्वार्थिय से साम्यास्य से सुरा स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार

र्श्वा अत्र ज्येना कः क्रेट प्यत्र कट प्रस्ति क्रिं क्रिं प्रम् विना प्राप्ति प्राप

श्ची-त्र-भृतः हं श्वयं लेश हं श्वयं गुः र्वे त्वे हं त्वेते श्वयं पार्चे त्याप्ते त्याप्ते व्याप्ते त्याप्ते त

चठरतिःचा हेतुःर्द्धश्विद्धाः विदार्धश्विद्धाः विदार्धश्विद्धाः विद्याः विद्यः

ऍन्'स'ने'न्द्र'हेतु'र्क्रश'त्चुद्र'मी'र्डेअ'स'र्ये'अषश'स'हेतु'लेश'स'न्द्र'हेतु'र्हे'श्रुश'लेश'सत्ते'तुश'र्नेगश'

ट.क्ट्र्यम्यट्याम्ययः क्षेत्रः द्वायाः यद्देटः चीयः वदटः हे. तथाः स्थ्रीयः अप्तः स्वायः स्वयः स

यद्भारति, या कुंतु क्रिया विद्या के प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प

भ्राप्तनेश्वास्त्र व्यवस्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्य विद्यान्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्

कः क्रेट मदी बट खेर क्रेंब क्राया ने के खेर क्राया वा कर खेट क्राया ने कर के निर्मा कर कर के निर्म के निर्मा कर के निर्मा कर के निर्मा कर के निर्मा कर के निर्मा के निर्मा कर के निर्म कर के निर्मा कर के निर्मा कर के निर्मा कर के निर्म कर क

**पठर 'पर्ने' पा** में द 'लुब' 'हेतु 'र्केब' 'प्चुद 'सुब' पा हुब' मा हेब' 'ग्री' अ' द ये 'चीब' अ' थीव 'व्या

भ्राप्तनेश्वर्याप्तवार्ये प्रमाश्चर्या दे महिशामा चैश्वराये चैश्वराये चैश्वराये चिश्वराये प्रमाश्चराये प्रमा

पठर पर्देगा हेतु केंब प्रचुट पड्या हिता है अब प्रचुट स्वा पित हैते प्रचा हिता है से प्रचुट से बार पित हैते से प्रचुट प्रचा हैते प्रचा हिता हैते से प्रचुट से बार पित हैते से प्रचुट प्रचा हैते प्रचा हिता हैते से प्रचुट से बार पे प्रचा हैते से प्रचुट प्रचा हैते से प्रचुट से बार पे प्रचा हैते से प्रचुट प्रचा हैते से प्रचुट से बार पे प्रचा हैते से प्रचा

भ्रायम्बर्धायम् । अष्ट भ्रेत् प्रमान्त्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्रमान्त्र क्षेत्र प्रमान्त्र क्षेत्र क्षे

मन्नम्भारत्त्र्यम्भार्थित्। स्वार्थित्। स

श्चीमानाः क्षेत्रं क्षेत्रात्व विष्टा मी ना इससा दुसा केत्रात्व प्रति मि स्वाप्त क्षेत्रं क्षेत्वं क्षेत्रं क्

पठर पर्दे ना हेतु केंश प्रचुट मुर्श ना हुश माहिता है। कि प्रचे ना है। कि प्रचार केंश प्रच केंश प्रचार केंश प्रचार

अन्तर्भयः स्वाद्यः स्वादः स्

हेतु केंब प्रचुट कट म्लें सुर मुवा सेंदि मोट केंग हो र प्रट यह के बाग श्री र प्रट यह के विवास केंद्र से प्रेर प

भ्रम्याशुः र्स्वेन्याः भ्रमान्तेना ने द्वार्यः विष्यः यदेः न्ये क्ष्यः यदेः न्युनः न्यिः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विष्य

त्रवास्त्रियात् वितान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्य

चठरत्रेचा मायाश्चेरळ्यत्वित्रनेख्यत्वित्रचेख्यात्वित्रचेख्यात्वेष्ट्यात्वेष्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्यात्वेष्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्यात्वेष्यात्वेष्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्ट्यात्वेष्यात्वेष्यात्वेष्ट्यात्वेष्यात्वेष्यात्वेष्यात्वेष्यात्वेष्यात्वेष्यात्वेष्यात्य

भ्रायानेश्वर्ययावाद्यां त्यान्या देः यार्थनाश्वर्यः विश्वर्यायाः विश्वर्यः याद्यः विश्वर्यः याद्यः विश्वर्यः याद्यः विश्वर्यः विश्वर्यः विश्वर्यः याद्यः य

यद्भायदे विद्युक्तिं विद्युक्

#तम्बेशत्रत्वात्तर्यात्रवात्त्रवात्तर्यात्रवात्त्यवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्यत्त्रवात्त्यत्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्

क्री-अक्ष्र-प्राचित्र-प्राचीत्र-प्रचीत्र-प्रचीत्र-प्राचीत्र-प्रचीत्र-प्रचीत्र-प्रचीत्र-प्रचीत्र-प्रचीत्र-

ब्रीं तुर्र कुवा चें बेर ना कें अट चेंबा नगुर ना श्रेका था टेंबा वहेता कें नवट श्रेका था ब्रीं तुर तु चुटा ना ब्रिंगावा बेरा दे हेंबा चेंदा की व्यवस्था कें बाद केंद्र मान के का की का की का की क द्रमानुयामी प्रज्ञेमानुयामी । मोश्यमानुयामी प्रज्ञामानुयामी प्रज्ञामानुयामी प्रज्ञामानुयामी प्रज्ञेमानुयामी । मोश्यमानुयामी प्रज्ञामानुयामी प्रज्ञामानुयामी । मोश्यमानुयामी प्रज्ञामानुयामी प्रज्ञामी प्रज्ञा

चर्नुस्य परि कुषा चे स्वा कुषा कि प्राप्त स्वा कुषा कि प्राप्त स्वा कुषा चर्षे स्वा कुषा चे स्वा चे स्वा कुषा चे स्वा कुषा चे स्वा चे स्व चे स

चठरत्रेन्। हेतुर्केशत्चुद्दत्र्दाश्चुत्यामेद्दानेयाचेत्र्याचेत्राचेत्रस्य स्वाधाः स्व

भ्रायम्बर्गरमायवटार्यायम्बा दुबरमायाची दुबरमायाची दुबरमायाची विद्यास्य क्षेत्र स्थान कष्ण स्थान क्षेत्र स्थान कष्ण स्यान कष्ण स्थान स्थान कष्ण स्थान स्थान कष्ण स्थान कष्ण स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

研究论文 Semper 10

स्ताना क्राम्ति, क्षेत्र, क्षेत्र, यथ्या च्रीयाच्या, प्रमान्त्र, क्षेत्र, प्रमान्त्र, प्रमान्त्र, प्रमान्त्र, क्षेत्र, विचान्त्र, क्षेत्र, विचान्त्र, विच

चठर पर्दे ना केंग्र प्रचुट देवे क्ट प्रचुत खेना नावन प्राधी अर्देन स्वी क्ट र्देन नाट प्रट नाट खेत

देवे बट द्राया प्रते उत्राया ने प्रताय विषय प्रते प्रते स्थाय स्याय स्थाय स्य

ॡॱदेॱकॅॱचर्द्र-पॅवि-स्निच्याः स्थाः स्वरूप्त विष्याः प्रत्याः स्वरूप्त प्रत्याः स्वरूप्त प्रत्याः स्वरूप्त प्र दे-दुयः प्रत्याः स्वरूप्त स्वरूप्त स्वरूप्त स्वरूप्त स्वरूप्त प्रत्य स्वरूप्त प्रत्य स्वरूप्त स्वरूप्त स्वरूप

श्चीर-मीश-मीश-मीश-क्रिय-क्रिय-विश्व में भी र्या स्वाप्त स्व स्वाप्त स

चठरतिन्त्रा हेतुःर्केशत्वृतः द्वाराकेशत्वृतः आषशः यदिः द्वाराः हेतः श्रीताशः विदाने स्वाराः स्वाराः विदाने स्वाराः स्वाराः विदाने स्वाराः विदाने स्वाराः विदाने स्वाराः विदाने स्वाराः वि

भ्रायमेश्वर्यात्वर्ये त्यावर्ये त्यावययः त्यावर्ये त्यावर्ये त्यावर्ये त्यावर्ये त्या

चठरप्रेपा केंगप्रवृत्तर्ना प्रमादित्तर्ना केंगप्रवृत्तर्ना केंगप्रवृत्तर्मा केंगप्ति केंगप्ति केंगप्ति केंगप्रवृत्तर्मा केंगप्रवृत्तर्मा केंगप्रवृत्तर्मा केंग

भ्राप्तानेश्वास्त्राचानाः स्वाधित्र स्वाधित्य स्वाधित्र स्वाधित्य स्वाधित्र स्वाधित्र स्वाधित्र स्वाधित्र स्वाधित्य

研究论文 Semper 12

स्याप्तराम् मान्यस्य प्राप्त स्वाप्त स्वापत स्व स्वापत स्वाप

पठर प्रदेश्या म्यामाय क्षेत्र हित्र क्षेत्र प्रमाय क्षेत्र हित्र क्षेत्र प्रमाय क्षेत्र क्षेत्र प्रमाय क्षेत्र क्षेत्